SHRI KRISHNA CHANDRA HAL-DER: What is the total demand of the small scale industries and what percentage is allocated?

SHRI T. A. PAI: I am unable to give that precise information.

श्री बूटा सिंह : ग्रध्थक्ष जी, मेरी कांस्टी-चूएन्सी में री-रोलिंग मिलों का सब से बड़ा यूनिट है जो रुपाल स्केल इण्डस्ट्री में ग्राता है । इस लिये मैं जानता हूं कि सरकार की स्टील ग्रीर स्कैप एलोकेशन की जो पालिसी है, वह कितनी डिफेव्टिव हैं। हम ने कई बार रिप्रेजेन्टेशन भी किया, उस का री-ग्रस्तमेंट भी हुग्रा, लेकिन उस के बाद भी ग्राध तक कोई ग्रच्छी पालिसी नहीं बनाई गई। मुझे खुशी है कि मंत्रो महोदय ने कहा है कि वे इस मामले में कुछ करना चाहते हैं। मैं चाहता हूं कि वे ग्रानी निनिल्ट्री में एक छोटा सा सैल बनायें ...

**ग्रध्यक्ष महोदय** : ग्राप एक छोटा-मोटा प्रश्न भी बना लीज्थि ?

श्री बूटा सिंह : मैं चाहता हूं कि अपनी मिनि:ट्री: में एक छोटा सा सैल बना कर और जो रिपोर्ट स आप के पास हैं उन के आधार पर जो जैनुइन स्माल एकेल इण्डर्ट्रीज हैं, उन की मदद करें ताकि पंजाब में जो इण्ड-स्ट्रीज बन्द हो चुकी हैं, उन को फिर से चालू किया जा तके।

MR. SPEAKER: It is not a question. Shri Mavalankar.

SHRI BUTA SINGH: The question is whether he is prepared to have such a cell in the ministry.

MR. SPEAKER: It is too late now.

SHRI P. G. MAVALANKAR: The Minister has admitted that the allocation of steel and steel materials to small-scale industries all over the country is very inadequate and he is finding out a more rational basis on which he will give steel to them. But the main question itself is about the same point and he has not given a clear answer as to what is the specific policy in this regard. He has been giving general assurances one after the other to various supplementaries. May I know, therefore, what is the specific policy with regard to the allocation of steel to small-scale industries?

SHRI T. A. PAI: I said, the best person to decide is the Minister in charge of small-scale industries jointly with the Directors of small-scale industries of all the States. They are more competent to decide whether the allocation is adequate, whether for want of adequate allocation any industry has closed down etc. I have asked them to decide what is the quota they require and from the limited quantity available, they should fix up a priority. I cannot say what policy will be evolved before they meet.

## सांस्कृतिक कार्यक्रभों द्वारा पाकिस्तानियों को उक्साने का कथित ग्रारोप

\*477 श्री भगोरथ भंवर : क्या विदेश मंत्री यह बताने की द्युना करेंगे कि :

(क) क्या पाकिस्तान ने यह ग्रारोप लगाया है कि भारत ग्रपने सांस्कृतिक कार्य-कमों द्वारा पाकिस्तानियों को उकसा रहा है ; ग्रीर

(ख) भारत ने पाकिस्तान के विरोध -पत का जो उत्तर दिया है, उसकी मुख्य बातें क्या हैं ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFF-AIRS (SHRI SURENDRA PAL SINGH): (a) and (b). Government have seen Press Reports of allegations made by certain quarters in Pakistan to this effect. Any such allegations are baseless.

श्री भागीरथ भंवर : माननीय मंत्री जी ने ग्रपने उत्तर में बतलाया है कि प्रैस रिपोर्ट्स को देखने के बाद यह पता चला है कि यह समाचार बेबुनियाद हैं। मैं जानना चाहता हूं-क्या भारत सरकार वे इस

27

प्रैस रिपोर्ट के ग्राधार पर पाकिस्तान सरकार से स्पष्टीकरण के लिये कोई लिखा-पढ़ी की है ? यदि की है तो कब ग्रीर क्या जिस का कोई उत्तर ग्राया है ?

भ्रष्यक्ष महोदयः ध्रभी तो उन के साथ डिप्लोमेटिक रिलेशन्ज् ही नहीं हैं, जब कायम हो जांयेंगें तब उत्तर ग्रायेगा।

श्वी सुरेन्द्रपाल सिंह : यह सवाल प्रैस रिपोर्ट के ग्राधार पर पूछा गया है-- प्रैस रि-पोर्टस पर ग्रमूमन हम लोग कोई रूफ्टीकरण नहीं करते हैं।

श्वी भागीरथ भंवर : न पाकिस्तान में हमारा दूतावास है यौर न उनका दूतावास हमारे यहां है–इस लिये भविष्य में इस प्रकार के समाचार प्रकाशित न हों, इस के लिये भारत सरकार क्या विचांर कर रही है ?

ग्रम्थक्ष महोदयः उनके बजाय इसका जवाब मैं दुं?

श्वी भागीरव भंवर : दीजिये।

भ्राप्यक्ष महोदय : उनका लाहौर रेडियो मेरे जिले के साथ है ब्रौर मेरे जिले का उन के साथ है– इस लिये क्या फर्क पड़ता है, माप किस झगडे में फंस गये।

MR. SPEAKER: Shri Ramavatar Shastri, Absent. Shri Eswara Reddy. Absent. Shri Narendra Singh. Absent. Shri Kataamuthu. Absent. Shri Janardhanan. Absent. Shri R. V. Swaminathan. Absent I wanted to complete the Question List. The Question List is over.

## WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

## Export of Manganese Ore

\*470. SHRI S. A. MURUGANAN-THAM: Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state the reasons for reducing export of manganese ore and the extents of reduction? 2700 LS-2. THE MINISTER OF HEAVY IN-DUSTRY AND STEEL AND MINES (SHRI T. A. PAI): The reasons for imposition of restrictions on the export of manganese ore are as follows:---

- (a) the measured and recoverable reserves of high grade manganese ore as on 1-1-1972 amounted to about 3.8 million tonnes;
- (b) the measured reserves of low phosphorus manganese ore of all grades is estimated to be about 5.1 million tonnes;
- (c) the annual consumption of manganese ore by the ferro manganese steel and other industries is expected to increase to about 1.5 million tonnes by 1978-79 against a current consumption of about 0.8 million tonnes; and
- (d) the export earnings per tonne from ferro manganese is substantially larger than from export of manganese ore.

2. The Government have taken the following decisions:----

- (i) export of manganese ore containing more than 46 per cent Mn. should not be continued after 31-3-1973 except to the extent commitments have already been entered into;
- (ii) export of manganese ore bearing 35 per cent to 45 per cent Mn should from the 1st April, 1973 be reduced to 80 per cent of the 1971-72 level during 1973-74 to 60 per cent during 1974-75; and the position for the future reviewed before 31st March. 1974, in the context of indigenrequirements ous vis-a-vis production of manganese ore at that time;
- (iii) export of manganese ore of all grades other than those mentioned in (i) and (ii) above, should be pegged at the 1971-72 level until 31st March, 1975. The position for the future should be reviewed before 31st